Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________

(In words)

J 7 3 1 0

Test Booklet No.

Time : **1** $^1/_4$ hours]

PAPER-II

[Maximum Marks : **100**

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Number of Pages in this Booklet : **8**	Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ⬤ (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

संस्कृत परम्परागत विषय:
संस्कृत परम्परागत विषय
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – II

प्रश्नपत्र – II

Paper – II

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुविकल्पीयप्रश्ना: सन्ति । तेषु **प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम्** । **सर्वे** प्रश्ना: उत्तरणीया: ।

सूचना : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Note : This paper contains **fifty (50)** multiple choice questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

1. गुरो: उच्चराशि: अस्ति

गुरु की उच्चराशि होती है

The उच्चराशि of गुरु is

(A) मेष: (B) वृषभ:

(C) कर्क: (D) कन्या

2. जन्मकुण्डल्याम् गृहविचार: कुत: क्रियते ?

जन्मकुण्डली में घर का विचार किस भाव से होता है ?

In a जन्मकुण्डली from where is गृहविचार done ?

(A) प्रथमभावात्

(B) द्वादशभावात्

(C) तृतीयभावात्

(D) चतुर्थभावात्

3. सूर्यस्य शत्रु: क: ?

सूर्य का शत्रु कौन है ?

Who is the enemy of सूर्य ?

(A) बुध: (B) बृहस्पति:

(C) शुक्र: (D) मंगल:

4. सर्वप्रथमं भूमेश्चलत्वं केन स्वीकृतम् ?

सर्वप्रथम पृथ्वी का चलन किसने स्वीकार किया ?

Who was the first to accept that the earth has movement ?

(A) आर्यभटेन ।

(B) लल्लेन ।

(C) श्रीपतिना ।

(D) भास्कराचार्येण ।

5. चान्द्रमासमानं किम् ?

चान्द्रमास का क्या मान है ?

What is the measure of चान्द्रमास ?

(A) रवीन्दोर्युते: संयुतिर्यावदन्या ।

(B) पौर्णमासीत: अपरपौर्णमासीं यावत् ।

(C) संक्रान्तित: अपरसंक्रान्तिं यावत् ।

(D) त्रिंशद्दिनात्मकम् ।

6. परमक्रान्तिज्यामानं भवति

परम (अधिकतम) क्रान्तिज्या का प्रमाण होता है

What is the length of परमक्रान्तिज्या ?

(A) त्रिज्यामितम् ।

(B) 120' कलात्मकम् ।

(C) 24' कलात्मकम् ।

(D) 1397' कलापरिमितम् ।

7. अग्निमान् धूमात्

अत्र पञ्चमीविधायकं सूत्रं भवति :

अग्निमान् धूमात् – इसमें पञ्चमी विधायक सूत्र है :

Here the rule prescribing पञ्चमी is :

(A) अपादाने पञ्चमी

(B) ध्रुवमपायेऽपादानम्

(C) पञ्चम्यपाङ्परिभि:

(D) विभाषा गुणेऽस्त्रियाम्

8. अधोलिखितेषु अकथितकर्मण उदाहरणं भवति :

निम्नलिखितों में अकथित कर्म का उदाहरण है :

In the following an example of अकथितकर्म is :

(A) अक्षान् दीव्यति

(B) वृक्षमवचिनोति पुष्पाणि

(C) तृणं स्पृशति

(D) पय: पिवति

9. विभक्त्यर्थे अव्ययीभावस्य उदाहरणं भवति

विभक्ति के अर्थ में अव्ययीभाव का उदाहरण है

An example of अव्ययीभाव in the sense of विभक्ति is

(A) उपकूलम् (B) सतृणम्

(C) दुर्भिक्षम् (D) अधिहरि

10. लते + एते – अत्र सन्धिकार्ये रूपं भवति :

लते + एते – यहाँ पर सन्धि करने पर रूप होता है :

Here by सन्धि we get the form :

(A) लते एते (B) लतयैते

(C) लता एते (D) लतैते

11. पदस्य संज्ञा भवति

पद की संज्ञा होती है

Definition of a पद is

(A) पर: सन्निकर्ष:

(B) अचोऽन्त्यादि

(C) सुप्तिङन्तम्

(D) अर्थवदधातुरप्रत्यय:

12. परिसंख्याया: दोषा: सन्ति

परिसंख्या के दोष हैं

In परिसंख्या, the number of faults is

(A) पञ्च (B) षट्

(C) त्रय: (D) चत्वार:

13. शाब्दीभावनायाम् अंशा अपेक्षन्ते

शाब्दीभावना में अंश अपेक्षित हैं

In शाब्दीभावना, the required parts are

(A) त्रय: (B) पञ्च

(C) अष्ट (D) नव

14. 'दध्नाजुहोति' अस्ति

'दध्नाजुहोति' है

'दध्नाजुहोति' is

(A) प्रयोगविधि:

(B) गुणविधि:

(C) नियमविधि:

(D) उत्पत्तिविधि:

15. नव्यन्यायमते तम: भवति

नव्यन्याय मत में तम: होता है

According to नव्यन्याय, तम: is

(A) द्रव्यम् (B) अभाव:

(C) गुण: (D) विशेष:

16. अनुमितौ व्यापार: भवति

अनुमिति में व्यापार होता है

In the case of अनुमिति, the व्यापार is

(A) व्याप्तिज्ञानम् (B) पक्षता

(C) परामर्श: (D) व्याप्ति:

17. रूपत्वस्य प्रत्यक्षे सन्निकर्षो भवति

रूपत्व के प्रत्यक्ष में सन्निकर्ष होता है

For the perception of रूपत्व, the सन्निकर्ष is

(A) संयुक्तसमवेतसमवाय:

(B) समवाय:

(C) समवेतसमवाय:

(D) संयोग:

18. अनुमाने अवयवानां संख्या भवति

अनुमान में अवयवों की संख्या होती है

In the case of अनुमान, the number of अवयवs is

(A) त्रय: (B) पञ्च

(C) षट् (D) दश

19. सांख्यमते प्रमाणमिष्टम्

सांख्यमत में प्रमाण है

According to Sāṅkhya means of valid knowledge are

(A) चतुर्विधम् । (B) पञ्चविधम् ।

(C) त्रिविधम् । (D) षड्विधम् ।

20. सांख्यमते पुरुष:

सांख्य मत में पुरुष है

According to Sāṅkhya Puruṣa is

(A) अचेतन: । (B) चेतन: ।

(C) असन् । (D) विकृति: ।

21. योगमते समाधि:

योगमत में समाधि है

According to Yoga समाधि: is

(A) द्विविध: । (B) त्रिविध: ।

(C) चतुर्विध: । (D) पञ्चविध: ।

22. योगमते क्लेश:

योगमत में क्लेश है

According to Yoga क्लेश is

(A) त्रिविध: । (B) चतुर्विध: ।

(C) पञ्चविध: । (D) सप्तविध: ।

23. 'नवतत्त्वानि तन्मते' – कस्मिन् मते ?

'नवतत्त्वानि तन्मते' – किसका मत है ?

'नवतत्त्वानि तन्मते' – According to which view ?

(A) बौद्धमते (B) जैनमते

(C) सांख्यमते (D) जैमिनिमते

24. सांख्यदर्शनत: योगदर्शनं भिध्यते

सांख्यदर्शन योग दर्शन से इस विषय में भिन्न होता है :

Sankhya system differs from Yoga system in the matter of

(A) तत्त्वविषये (B) प्रमाणविषये

(C) पुरुषविषये (D) ईश्वरविषये

25. सर्वदर्शनसङ्ग्रहस्य कर्त्ता भवति

सर्वदर्शन संग्रह का कर्त्ता है

The author of सर्वदर्शनसंग्रह: is

(A) हरिभद्रसूरि: (B) सायणाचार्य:

(C) माधवाचार्य: (D) शङ्कराचार्य:

26. 'ज्ञानेनापवर्ग:' – कस्मिन् मते ?

'ज्ञानेनापवर्ग:' – किस मत से है ?

'ज्ञानेनापवर्ग:' – According to which system ?

(A) सांख्यमते (B) न्यायमते

(C) जैमिनिमते (D) चार्वाकमते

27. वाजसनेयसंहितायाम् अध्याया: सन्ति

वाजसनेयसंहिता में अध्याय हैं

The number of अध्यायs in the वाजसनेयसंहिता is

(A) पञ्चाशत् ।

(B) पञ्चत्रिंशत् ।

(C) चत्वारिंशत् ।

(D) नव ।

28. शुक्लयजुर्वेदस्य शाखा भवति

शुक्लयजुर्वेद की शाखा होती है

This is a शाखा of शुक्लयजुर्वेद

(A) शौनकीय

(B) शाकलीय

(C) तैत्तिरीया

(D) माध्यन्दिनी

29. सौत्रामणिस्तोत्रम् अस्ति

सौत्रामणिस्तोत्र है

The सौत्रामणिस्तोत्र is in the

(A) वाजसनेयसंहितायाम् ।

(B) अथर्ववेदे ।

(C) कृष्णयजुर्वेदे ।

(D) सामवेदे ।

30. मध्वाचार्यमते स्वतन्त्रं तत्त्वम्

मध्वाचार्य के मत में स्वतन्त्र तत्त्व है

According to Madhvācārya स्वतन्त्र तत्त्व is

(A) शिव: । (B) विष्णु: ।

(C) ब्रह्मा । (D) शक्ति: ।

31. द्वैतवेदान्ते जीवब्रह्मणो:

द्वैतवेदान्त में जीव और ब्रह्म का है

According to Dvaitavedāntā Jīva and Brahman are

(A) अभेद: । (B) भेद: ।

(C) भेदाभेद: । (D) अभाव: ।

32. द्वैतवेदान्ते विश्वम्

द्वैतवेदान्त में विश्व है

According to Dvaitavedāntā the world is

(A) असत्यम् ।

(B) सत्यम् ।

(C) अनिर्वचनीयम् ।

(D) शून्यम् ।

33. धर्मशास्त्रे सुवर्णशब्दस्यार्थो भवति

धर्मशास्त्र में सुवर्ण शब्द का अर्थ है

The meaning of the सुवर्ण according to धर्मशास्त्र is

(A) षोड़शमाषपरिमित: सुवर्ण:

(B) त्रसरेणुपरिमित:

(C) माषपरिमित:

(D) भिक्षापरिमित:

34. स्नातक: कतिविध: ?

स्नातक कितने प्रकार के हैं ?

How many are the स्नातकs ?

(A) द्विविध: (B) त्रिविध:

(C) पञ्चविध: (D) षड्विध:

35. आत्रेयी – इत्यस्य कोऽर्थ: ?

आत्रेये – इति शब्द का क्या अर्थ है ?

आत्रेयी – What is the meaning of the word ?

(A) पतिता

(B) व्यभिचारिणी

(C) विवाहिता

(D) रजस्वला

36. महाकाव्यं भवति

महाकाव्य होता है

A महाकाव्य is

(A) पर्वबन्ध:

(B) सर्गबन्ध:

(C) काण्डबन्ध:

(D) सन्धिबन्ध:

37. 'हर्षचरितम्' कस्योदाहरणम् ?

'हर्षचरितम्' किसका उदाहरण है ?

'हर्षचरितम्' is an example of

(A) कथाया:

(B) चम्पूकाव्यस्य

(C) आख्यायिकाया:

(D) चारित्रककाव्यस्य

38. आनन्दवर्धनस्य मते काव्यस्यात्मा

आनन्दवर्धन के मत में काव्य का आत्मा

According to Ananda Vardhana, काव्यात्मा is

(A) रीति: (B) रस:

(C) वक्रोक्ति: (D) ध्वनि:

39. रससूत्रस्य प्रतिपादक:

रससूत्र का प्रतिपादक

The propounder of रससूत्र is

(A) भरत: (B) भामह:

(C) भट्टनायक: (D) विश्वनाथ:

40. रामायणे श्लोकसंख्या

रामायण में श्लोकसंख्या

The number of Slokas in रामायण is

(A) लक्षश्लोका:

(B) चतुर्विंशतिसहस्रश्लोका:

(C) षड्विंशतिसहस्रश्लोका:

(D) चत्वारिंशत्सहस्रश्लोका:

41. अधोलिखितेषु शुद्धं भवति :

निम्नलिखित में सही है :

Correct among the following is :

(A) पुराणम् अष्टलक्षणम्

(B) पुराणं नवलक्षणम्

(C) पुराणं पञ्चलक्षणम्

(D) पुराणं अष्टादशलक्षणम्

42. भगवद्गीता कस्य ग्रन्थस्य भाग: ?

'भगवद्गीता' किस ग्रन्थ का भाग है ?

'भगवद्गीता' belongs to which ग्रन्थ ?

(A) महाभारतस्य

(B) भागवतस्य

(C) रामायणस्य

(D) स्कन्दपुराणस्य

43. विष्णो: मुख्या: अवतारा: सन्ति

विष्णु के मुख्य अवतार हैं

The number of main incarnations of Vishnu is

(A) सप्त (B) अष्टौ

(C) पञ्च (D) दश

44. शैवागमानां संख्या भवति

शैवागमों की संख्या होती है

The number of Saivagamas is

(A) 10 (B) 28

(C) 64 (D) 107

45. 'संहिता' शब्देन व्यवहियमाणा: आगमा: के ?

'संहिता' शब्द के द्वारा व्यवहियमाण आगम कौन है ?

The आगमs popularly known by the term 'संहिता' are

(A) शैवागमा: (B) शाक्तागमा:

(C) बौद्धागमा: (D) वैष्णवागमा:

46. आगमेषु तात्त्विकांशा: विचार्यन्ते

आगम में तात्त्विक अंशों का विचार करें

The tenets of the आगमs are dealt with in the

(A) क्रियापादे (B) योगपादे

(C) ज्ञानपादे (D) चर्यापादे

47. अद्वैतवेदान्तमते जगत् कीदृशं भवति ?

अद्वैतवेदान्तमत में जगत कैसा है ?

What is the nature of the world according to Advaitavedanta ?

(A) सत्यम् । (B) मिथ्या ।

(C) नित्यम् । (D) शुद्धम् ।

48. अद्वैतवेदान्तिनां व्यवहारे केषां नय: ?

अद्वैतवेदान्तियों का व्यवहार में किनका नय है ?

Whose tenets do Advaitavedāntins follow in practice ?

(A) द्वैतिनाम् ।

(B) भाट्टानाम् ।

(C) प्राभाकराणाम् ।

(D) विशिष्टाद्वैतिनाम् ।

49. ब्रह्मसूत्रस्य अपरं नाम किम् ?

ब्रह्मसूत्र का दूसरा नाम क्या है ?

What is the other name of Brahmasūtra ?

(A) शारीरिकसूत्रम् ।

(B) मीमांसासूत्रम् ।

(C) धर्मसूत्रम् ।

(D) शारीरकसूत्रम् ।

50. अद्वैतिनामनुमानस्य कति अवयवा: ?

अद्वैतवादियों के अनुमान के कितने अवयव हैं ?

How many are the limbs for the inference of Advaitins ?

(A) त्रय: । (B) चत्वार: ।

(C) पञ्च । (D) षट् ।

Space For Rough Work